



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, शनिवार, 20 सितम्बर, 2025

भाद्रपद 29, 1947 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 1706/ग्यारह-2-25-9(47)-17-टी0सी0-291-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश(352)-2025

लखनऊ, 20 सितम्बर, 2025

अधिसूचना

प0आ0-156

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 9 की उपधारा (3) और उपधारा (4), धारा 11 की उपधारा (1), धारा 15 की उपधारा (5) और धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, का यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्वारा अधिसूचना सं० क0नि0-2-843/XI-9(47)/17-उ0प्र0अधि0-1-2017- आदेश-(10)-2017 दिनांक 30 जून 2017, में निम्नलिखित अग्रतर संशोधन करते हैं, अर्थात्,-

उक्त अधिसूचना में,-

(क) सारणी में,-

(i) क्रम-संख्या 18 के समक्ष, स्तंभ (3) में, खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:-

“स्पष्टीकरण: इस प्रविष्टि में निहित अन्तर्विष्ट कोई भी बात निम्नलिखित पर लागू नहीं होगी:-

(i) किसी इलेक्ट्रानिक वाणिज्यिक प्रचालक द्वारा प्रदान की जाने वाली स्थानीय वितरण सेवाएँ; या

(ii) किसी इलेक्ट्रानिक वाणिज्यिक प्रचालक के माध्यम से प्रदान की जाने वाली स्थानीय वितरण सेवाएँ।”;

(ii) क्रम-संख्या 36ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम-संख्याएँ और उससे संबंधित प्रविष्टियाँ बढ़ा दी जाएंगी, अर्थात्:-

सारणी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
36ग	शीर्षक 9971	बीमाकर्ता द्वारा बीमित व्यक्ति को प्रदान की जाने वाली जीवन बीमा कारबार सेवाएँ, जहाँ बीमित व्यक्ति एक समूह नहीं है। [कृप्या पैरा 2 में खंड (यचख) देखें] स्पष्टीकरण: शंकाओं के निवारण हेतु, एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि,— (क) यह छूट उस बीमा अनुबंध पर लागू होगी जहाँ बीमित एक व्यक्ति है, या एक व्यक्ति और उक्त व्यक्ति का परिवार है। (ख) उपर्युक्त (क) के प्रयोजनों के लिए, परिवार में, बीमा अनुबंध में परिवार के रूप में बीमित सभी व्यक्ति सम्मिलित होंगे।	शून्य	शून्य
36घ	शीर्षक 9971	बीमाकर्ता द्वारा बीमित व्यक्ति को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य बीमा कारबार सेवाएँ, जहाँ बीमित व्यक्ति एक समूह नहीं है। [कृप्या पैरा 2 में खंड (यचख) देखें] स्पष्टीकरण: शंकाओं के निवारण हेतु, एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि,— (क) यह छूट उस बीमा अनुबंध पर लागू होगी जहाँ बीमित एक व्यक्ति या एक व्यक्ति और उक्त व्यक्ति का परिवार है। (ख) उपर्युक्त (क) के प्रयोजनों के लिए, परिवार में, बीमा अनुबंध में परिवार के रूप में बीमित सभी व्यक्ति सम्मिलित होंगे।	शून्य	शून्य
36ङ	शीर्षक 9971	क्रम-संख्या 36ग या 36घ में विनिर्दिष्ट बीमा सेवाओं का पुनर्बीमा।	शून्य	शून्य

(ख) पैरा 2 में,—

(i) खंड (यड) के स्थान पर निम्नलिखित को बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:—

“(यड) ‘माल परिवहन अभिकरण’ का तात्पर्य ऐसे किसी व्यक्ति से है जो सड़क मार्ग से माल के परिवहन के सम्बंध में सेवा प्रदान करता है और किसी भी नाम से माल भेजने का नोट जारी करता है, किन्तु इसमें सम्मिलित नहीं है,—

(i) कोई इलेक्ट्रानिक वाणिज्यिक प्रचालक जिसके द्वारा स्थानीय वितरण की सेवाएं प्रदान की जाती हैं;

(ii) कोई इलेक्ट्रानिक वाणिज्यिक प्रचालक जिसके माध्यम से स्थानीय वितरण की सेवाएं प्रदान की जाती हैं”;

(ii) खंड (यचक) के पश्चात् निम्नलिखित खंड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:—

“(यचख) ऊपर सारणी में क्रम-संख्या 36ग और 36घ की प्रविष्टियों के प्रयोजनों के लिए, ‘समूह’ का तात्पर्य ऐसे व्यक्तियों के समूह से है जो बीमा प्राप्त करने के अलावा एक समान उद्देश्य से या एक समान आर्थिक गतिविधि में संलग्न होने के लिए एक साथ आते हैं, और इसमें सम्मिलित हैं:

(क) नियोक्ता-कर्मचारी समूह, जहाँ मास्टर/समूह पॉलिसीधारक और समूह के सदस्यों के बीच, लागू विधियों के अनुसार, नियोक्ता-कर्मचारी संबंध विद्यमान हो;

(ख) गैर-नियोक्ता-कर्मचारी समूह, जहाँ बीमा के अलावा अन्य सेवाओं/गतिविधियों के लिए मास्टर/समूह पॉलिसीधारक और समूह के सदस्यों के बीच स्पष्ट रूप से प्रत्यक्ष संबंध विद्यमान हो।”;

(iii) खंड (यछ) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:-

“(यछक) ‘स्वास्थ्य बीमा कारबार’ का तात्पर्य ऐसे अनुबंधों का कार्यान्वयन है जो रुग्णता लाभ या चिकित्सा, शल्य चिकित्सा या अस्पताल व्यय लाभ, चाहे वे आंतरिक रोगी हों या बाह्य रोगी, यात्रा कवर और व्यक्तिगत दुर्घटना कवर प्रदान करते हैं;”।

2- यह अधिसूचना तारीख 22 सितम्बर, 2025 से प्रवृत्त होगी।

आज्ञा से,

एम0 देवराज,

प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government notification no. 1706 / XI-2-25-9(47)-17-T.C.-291-U.P.Act-1-2017-Order(352)-2025, dated September 20, 2025 :

No.1706 / XI-2-25-9(47)-17-T.C.-291-U.P.Act-1-2017-Order(352)-2025

Dated Lucknow, September 20, 2025

In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (4) of Section 9, sub-section (1) of Section (11), sub-section (5) of Section 15 and Section 148 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no.1 of 2017), the Governor, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, on the recommendations of the Council, hereby makes the following further amendments in the notification no. KA.NI.-2-843/XI-9(47)/17-U.P.Act-1-2017-Order-(10)-2017 Dated June 30, 2017, namely:-

In the said notification,-

(a) In the table,-

(i) against serial number 18, in Column (3), *after* clause (b), the following explanation shall be *inserted*, namely:-

"Explanation: Nothing contained in this entry shall apply to,-

(i) local delivery services provided by an Electronic Commerce Operator; or

(ii) local delivery services provided through an Electronic Commerce Operator.",

(ii) *After* serial number 36B and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries relating thereto shall be *inserted*, namely:-

TABLE

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
"36C	Heading 9971	Services of life insurance business provided by an insurer to the insured, where the insured is not a group. [Please refer to clause (zfb) in para 2] Explanation: For the removal of doubts, it is hereby clarified that: (a) This exemption shall apply to a contract of insurance where the insured is an individual, or an individual and family of the said individual. (b) For the purposes of (a) above, family shall include all individuals insured as family in the contract of insurance.	Nil	Nil

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
36D	Heading 9971	Services of health insurance business provided by an insurer to the insured, where the insured is not a group. [Please refer to clause (zfb) in para 2] Explanation: For the removal of doubts, it is hereby clarified that: (a) This exemption shall apply to a contract of insurance where the insured is an individual, or an individual and family of the said individual. (b) For the purposes of (a) above, family shall include all individuals insured as family in the contract of insurance.	Nil	Nil
36E	Heading 9971	Reinsurance of the insurance services specified in serial numbers 36C or 36D.	Nil	Nil

(b) in paragraph 2,-

(i) for Clause (ze), the following shall be *substituted*, namely: -

"(ze) 'goods transport agency' means any person who provides service in relation to transport of goods by road and issues a consignment note by whatever name called, but does not include,-

(i) an electronic commerce operator by whom the services of local delivery are provided;

(ii) an electronic commerce operator through whom the services of local delivery are provided";

(ii) after Clause (zfa), the following clause shall be inserted, namely:-

"(zfb) For the purposes of entries at serial numbers 36C and 36D in the table above, 'group' means group of persons who join together with a commonality of purpose or for engaging in a common economic activity, other than availing insurance, and includes:

(a) Employer- employee groups, where an employer-employee relationship exists between the master/group policyholder and the members of the group in accordance with the applicable laws;

(b) Non-employer- employee groups, where a clearly evident relationship exists between the master/group policyholder and the members of the group, for services/activities other than insurance.";

(iii) after Clause (zg), the following clause shall be *inserted*, namely: -

"(zga) 'health insurance business' means the effecting of contracts which provide for sickness benefits or medical, surgical or hospital expense benefits, whether in-patient or out-patient, travel cover and personal accident cover;"

2. This notification shall come into force with effect from the 22nd day of September, 2025.

By order,
M. DEVARAJ,
Pramukh Sachiv.

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 184 राजपत्र-2025-(565)-599 प्रतियां (डी०टी०पी / ऑफसेट)।

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 6 सा० राज्य कर-2025-(566)-1000 प्रतियां (डी०टी०पी० / ऑफसेट)।